सिक्किम विश्वविद्यालय
क्रॉनिकल

खंड V , अंक I   मई 2017   www.cus.ac.in

संपादक की कलम से

बसंत हमारे चारों ओर एक गहरे हरे रंग की चमक के साथ आ रहा है, मुझे कुछ तकनीकी मुद्दों के कारण कई महीनों के अंतराल के बाद एसयू क्रॉनिकल के मई के अंक को आपके सामने लाने में प्रसन्नता हो रही है. निरंतरता में इस अन्तराल के लिए हम वास्तव में क्षमा चाहते हैं मैं डॉ. धृति रॉय का धन्यवाद करती हूं, जब मैं अध्ययन की छुट्टी पर थी तब उन्होंने न्यूज़लेटर का काम संभाला. उन्होंने और उनकी टीम ने एक सराहनीय काम किया. आप में से उन लोगों का धन्यवाद जिन्होंने इस अंक में योगदान दिया क्योंकि ये योगदान न्यूज़लेटर की सफलता के लिए आवश्यक है.

अप्रैल में शैक्षिक और गैर-शैक्षिक दोनों में बहुत अधिक गतिविधियाँ हुई हैं. साहित्यिक चोरी और सॉफ़्टवेयर, नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता और "भौतिकी की सतह और कम-आयामी प्रणाली" पर कार्यशालाएं पर रिपोर्ट इस अंक में दी गई हैं. भौतिकी के प्रति उत्साही लोगों को एक छात्र की रिपोर्ट सूचनापरक लगेगी.

इस न्यूजलेटर में अधिक रोमांचक लेखन में से एक सप्ताह के लंबे एसयूएसए द्वारा आयोजित कार्यक्रम रमाइलो सु-खिम पर एक छात्र का रंगीन फीचर लेख है, कोलाज जीवंतता और आनंद लाता है और छात्रों ने इसका आनंद उठाया.

हमें एसयू क्रॉनिकल को जीवित रखने में मदद करने के लिए, हम चाहते हैं कि कर्मचारीगण और संकाय अपनी गतिविधियों, शैक्षणिक कार्यक्रमों और प्रयासों के बारे में जानकारी साझा करें. अगले अंक तक बसंत का आनंद लें और आशान्वित रहें!

जैस्मीन यिमंचुंगर

इस अंक में...

- *35 वीं अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस, केप टाउन, द.अ. पर रिपोर्ट- पृष्ठ 1*
- *ड्रग्स के दुरुपयोग की रोकथाम पर जागरूकता कार्यक्रम - पृष्ठ 1*
- *हिमालय में सहयोगी ईकोटोरिज़्म अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय छात्र और संकाय बैठक - पृष्ठ 2*
- *मेंडेले और साहित्यिक चोरी पर कार्यशाला - पृष्ठ 2*
- *भौतिकी विभाग में सेमिनार : एक रिपोर्ट - पृष्ठ 3*
- *एनएसएस की गतिविधियां - पृष्ठ 4*
- *सिक्किम विश्वविद्यालय एक्स्ट्रावगंजा (सूसा) पर रिपोर्ट - " रमाइलो सु-खिम 2017" - पृष्ठ 4-5*

ईमेल पता
suchronicle@cus.ac.in
jyimchunger@cus.ac.in

35 वीं अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका पर रिपोर्ट

प्रोफेसर वीसी तिवारी, भूविज्ञान विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय ने 35 वीं अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस (आईजीसी), कैप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में भाग लिया.

उन्होंने 'पास्ट ग्लोबल क्लाइमेट चेंज इन हिमालया एंड द फ्यूचर इम्प्लिकेशंस' सत्र की अध्यक्षता की. प्रो. तिवारी ने हिमालय पर जलवायु परिवर्तन सत्र में बीज वक्तव्य भी दिया.

ड्रग्स एब्यूज पर जागरूकता कार्यक्रम

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेन्स (एनआईएसडी), सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण मंत्रालय, नई दिल्ली के साथ सिक्किम यूनिवर्सिटी एनएसएस सेल ने 1मार्च, 2017 को कौवेरी हॉल में ड्रग्स एब्यूज की रोकथाम पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया . छात्र कल्याण डीन डॉ. एस. मणिवनणन, डॉ राकेश बस्नेट, प्रोवॉस्ट,सिक्किम विश्वविद्यालय इस अवसर पर उपस्थित थे. छात्रों के कल्याण के डीन डॉ. एस मनिवन्नन ने सिक्किम विश्वविद्यालय के एनएसएस सेल के प्रयासों और उपलब्धियों को सभी के सामने रखा.सिक्किम विश्वविद्यालय, पास के कॉलेजों और एसआरएम विश्वविद्यालय, 5 माईल के एनएसएस अधिकारी भी मौजूद थे. कार्यक्रम में डॉ. सीएस शर्मा, अध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग और सोनम लस्सोपा, एसटीएनएम अस्पताल, गंगटोक, सलाहकार मनोवैज्ञानिक द्वारा दो व्याख्यान सत्र रखे गए. विशेष रूप से 'सिक्किम में ड्रग्स एब्यूज की समस्या' पर और 'रोकथाम के उपाय और छात्र समुदाय की भूमिका' पर. स्रोत वक्ताओं द्वारा उम्दा व्याख्यान दिए गए और श्रोताओं के विभिन्न प्रश्नों को स्पष्ट किया गया.

डॉ सी एस शर्मा, अध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, "ड्रग्स एब्यूज की समस्या विशेषकर सिक्किम में" विषय पर व्याख्यान देते हुए

इस कार्यक्रम में सिक्किम विश्वविद्यालय, डम्बर सिंह कॉलेज, छ माईल, सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज, बर्टुक, नेहरू युवा केंद्र संगठन, गंगटोक और एसआरएम विश्वविद्यालय, 5 माईल से 200 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया. कार्यक्रम में सिक्किम यूनिवर्सिटी के स्वयंसेवकों द्वारा इस विषय पर नाटिका का प्रदर्शन किया गया. इंटर-युनिवर्सिटी / इंटर कॉलेज पोस्टर प्रतियोगिता भी हुई. सिक्किम यूनिवर्सिटी को "ड्रग्स एब्यूज की रोकथाम" विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार मिला. दूसरे और तीसरे पुरस्कार सिक्किम गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, बुर्तुक और सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज, तादोंग द्वारा प्राप्त किए गए.कार्यक्रम का समग्र आयोजन सफल रहा और प्रतिभागियों ने बहुत कुछ सीखा और इसके बारे में और जागरूकता पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध हुए. सिक्किम विश्वविद्यालय एनएसएस सेल द्वारा आयोजित पिछले प्रतियोगिताओं के कुछ पुरस्कार भी सिक्किम विश्वविद्यालय एनएसएस स्वयंसेवकों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दिए गए.

हिमालय में सहयोगी ईकोटोरिज़्म अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय छात्र और संकाय बैठक

बॉटनी विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय ने 30 मार्च से 2 अप्रैल 2017 के दौरान हिमालय में सहयोगी ईकोटोरिज़्म अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय छात्र और संकाय की बैठक का आयोजन किया. यह बैठक हिमालयी यूनिवर्सिटी कंसोर्टियम (एचयूसी) द्वारा सिक्किम यूनिवर्सिटी को वित्तपोषित परियोजना का एक हिस्सा थी, जो इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी), नेपाल के इंटरनेशनल सेंटर का एक अध्याय है. सहयोगी संस्थानों के छात्र और संकाय अर्थात रॉयल थिम्पू कॉलेज, भूटान और काठमांडू विश्वविद्यालय, नेपाल सहित सिक्किम विश्वविद्यालय के छात्रों, संकाय सदस्यों और अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया.

इस कार्यक्रम के बाद प्रत्येक सहयोगी संस्थान से शोधकर्ता और संकाय द्वारा दो दिनों के शोध परिणाम की प्रस्तुति की गई और अध्ययन स्थलों में से किसी एक क्षेत्र की यात्रा के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ.

मेंडेले और साहित्यिक चोरी पर कार्यशाला

जूलॉजी विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय ने 24 मई -25 अक्टूबर, 2016 के दौरान "मेंडेले और प्लाजियरिजम सॉफ़्टवेयर" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया . कार्यशाला के लिए स्रोत वक्ता के रूप में श्री संजीव के. सनी, डिप्टी लाइब्रेरियन, आईआईटी-रुड़की को आमंत्रित किया गया था. कार्यशाला का उद्देश्य साहित्यिक चोरी और संदर्भित सॉफ्टवेयर की बुनियादी अवधारणाओं पर युवा शोधकर्ताओं के लिए एक अनुभव प्रदान करना था. यूनिवर्सिटी के विभिन्न विभागों के पीएचडी शोधार्थियो और संकाय सदस्यों को मिलकर लगभग साठ प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया. प्रोफेसर ज्योति प्रकाश तमांग, डीन, स्कूल ऑफ लाइफ साइंस, सिक्किम यूनिवर्सिटी ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई. जूलॉजी विभाग की प्रभारी डॉ बसुन्धरा छेत्री ने स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ. प्रोफेसर तमांग ने छात्रों को जागरूक किया और उन्हें साहित्यिक चोरी के मुद्दों के बारे में सावधान रहने का अनुरोध किया, जो गंभीर कानूनी मामला हो सकता है. उन्होंने इस तरह के एक उपयोगी कार्यक्रम के आयोजन के लिए विभाग की सराहना की. विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ बिसू सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ उद्घाटन सत्र सम्पन्न हुआ.

तकनीकी सत्र के पहले दिन, प्रतिभागियों का साहित्यिक चोरी पहचान सॉफ्टवेयर- टर्नटिन से परिचय करवाया गया. उदाहरणों के साथ लेख तैयार करते समय साहित्यिक चोरी के विभिन्न रूपों पर चर्चा की गई. विद्वानों और शिक्षकों के कैरियर पर साहित्यिक चोरी के संभव प्रभाव की भी चर्चा हुई. दोपहर के सत्र में, मेन्डेले पर मूल बातें करने के लिए प्रतिभागियों को एक फ्रीवेयर संदर्भित सॉफ्टवेयर पर प्रस्तुति दी गई. दूसरे दिन, लेख, पत्रिकाओं और पुस्तकों का हवाला देते हुए और संदर्भ देने के लिए मेंडेले के उपयोग पर हाथों-हाथ प्रशिक्षण आयोजित किया गया.

विदाई सत्र में, प्रतिभागियों ने कार्यशाला के नतीजे पर अपनी संतुष्टि व्यक्त करने वाले आयोजकों और स्रोत वक्ता के साथ अपनी बहुमूल्य प्रतिक्रिया साझा की. विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. बी के आचार्य ने साहित्यिक चोरी और संदर्भ सॉफ्टवेयर के महत्व पर टिप्पणी की. कार्यशाला बहुत उपयोगी और सफल रही.

भौतिकी विभाग में सेमिनार: एक रिपोर्ट

भौतिकी विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय में 4 से 7 अप्रैल, 2017 के दौरान संगोष्ठी श्रृंखला का आयोजित किया गया. वक्ता प्रोफेसर मानबेन्द्र मुखर्जी भूतल भौतिकी डिविजन, साहा न्यूक्लियर फिजिक्स संस्थान, कोलकाता थे. यह हर दिन दो घंटे की अवधि का चार दिवसीय सत्र था.

शामिल विषय इस प्रकार थे :

पहला दिन : सतह और निम्न आयामी सिस्टम का परिचय

दूसरा दिन: नैनो सामग्री के इलेक्ट्रॉनिक दृष्टिकोण

तीसरा दिन: नैनो-सामग्री का न्यूक्लियेशन और ग्रोथ

चौथा दिन : एक्स रे फोटोइलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी

यह रिपोर्ट संगोष्ठी में प्रस्तुत विचारों को उजागर करने का प्रयास करती है.

पहला सत्र सतह और कम आयामी प्रणालियों के लिए सरल परिचय से शुरू हुआ जिसमें आयाम नैनो पैमाने पर कम हो जाते हैं . सिस्टम के आयाम में यह परिवर्तन सिस्टम के भौतिक और साथ ही रासायनिक गुणों को बदलता है. इसके बाद सतह ऊर्जा का मूल्यांकन किया गया, जो मुख्यतः तीन मापदंडों पर निर्भर करती है, अर्थात् बॉन्ड ऊर्जा प्रति बंधन, टूटी हुई सतह पर बांडों की संख्या और प्रति यूनिट क्षेत्र में बांड की संख्या. सतह की ऊर्जा को परिभाषित करने के बाद, सतह ऊर्जा को प्रभावित करने वाली प्रक्रियाओं, विश्राम (पार्श्व छूट सहित), पुनर्निर्माण, सोखना पर चर्चा हुई, इसके बाद एक रिश्ते से पता चला कि सतह ऊर्जा सतह के बराबर गिब्ब की मुक्त ऊर्जा है. इस बात ने सतह ऊर्जा को कम करने के तरीकों के साथ आगे बढ़ना शुरू किया - पहले एक संयोजन, जिसमें आगे बढ़ने वाला और आस्टवॉल्ड रिपेनिंग शामिल था, दूसरा वाला अग्गलोमेरेशन.परमाणुओं को एक प्रकार की सतह से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए अध्ययन करने के लिए तीन अलग-अलग मामलों को लिया गया, रासायनिक क्षमता में परिवर्तन और घुलनशीलता अनुपात स्थानांतरित मात्रा पर ध्यान केंद्रित किया गया,

दूसरा सत्र विषय - नैनो सामग्री के इलेक्ट्रॉनिक दृष्टिकोण के लिए समर्पित था जिसमें बैंड अंतराल की अवधारणा, लगभग मुक्त इलेक्ट्रॉन मॉडल शामिल थे.

तीसरे सत्र ने नैनो- मटेरिअल्स के विकास और निकीकरण की दिलचस्प अवधारणाओं से हमें परिचित करवाया.न्यूक्लियेशन एक ऐसी प्रक्रिया है जो एक नई सतह के गठन में प्रारंभिक कदम बनाती है. दो प्रकार के न्यूक्ल्यूशन, अर्थात् एकसोनिक न्यूक्लेयेशन और विषम न्यूक्ल्यूएशन पर चर्चा हुई. इसके अलावा इसमें विभिन्न कारकों पर न्यूक्लियेशन की दर और इसकी निर्भरता शामिल थी. इसके बाद विकास प्रक्रिया के प्रकार - प्रसार सीमित वृद्धि और सोखना द्वारा विकास के द्वारा किया गया.

अंतिम सत्र में, स्पीकर ने सतह के विश्लेषण के लिए उपलब्ध विभिन्न स्पेक्ट्रोस्कोपिक विधियों में से एक - एक्सरे फोटोइलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी (एक्सपीएस) को प्रस्तुत किया. सत्र सतह के विषय प्लास्मोन रेजोनेंस जो सामग्री के सोखना धातु नैनोकणों की सतह पर सोखना को मापने के लिए कई मानक उपकरणों के आधार रूपों के साथ शुरू किया गया. सत्र XPS तकनीक की चर्चा के साथ कई उदाहरणों के साथ जारी किया गया था जो कि स्पीकर द्वारा उद्धृत किया गया था जो एक्सपीएस का उपयोग करते हुए विभिन्न तत्वों, यौगिकों आदि के स्पेक्ट्रम को समझने में उपयोगी थे .

सत्र एक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ संपन्न हुआ जिसमें व्याख्यान से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दिए गए और वक्ता ने हमें शोध और उच्चतर अध्ययनकुछ के लिए उपयोगी सुझाव दिए, यह एक बहुत ही फलदायी सत्र था क्योंकि इस विषय पर हमारे ज्ञान का विस्तार करने में मदद की गई थी और यह भी ताज़गी के रूप में उपयोगी रहा. हम प्रोफेसर मानबेन्द्र मुखर्जी के बहुत आभारी हैं जो उन्होंने हमें अपने बहुमूल्य समय और उनके काम और भौतिक विज्ञान की ऐसी सुंदर अवधारणाओं के साथ हमें प्रबुद्ध करने के लिए साझा किया.हम विभाग के प्रमुख और व्याख्यान श्रृंखला की व्यवस्था करने के लिए हमारे सभी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं और ऐसे ही और अधिक आयोजनों की आशा करते हैं.

जैस्मीन राई, चौथा सेमेस्टर, एमएससी भौतिकी

प्रकाशन

जयंती राई, और बिसू सिंह" भारत में सिक्किम की आबादी के बीच एबीओ रक्त समूह और रीसस फैक्टर प्रतिशत आवृत्ति का वितरण. "प्रोक नैशनल साइंस एकै. वॉल्यूम. 83. स. 1 2017

एनएसएस गतिविधियाँ

> राष्ट्रीय एकता शिविर का दौरा, बैंगलोर, 3 से 9 जनवरी, 2017 (सुश्री प्रेरणा भारती, श्री कृष्णा गुरूंग, प्रबंधन विभाग, सुश्री राणाबिस्ता, समाजशास्त्र विभाग, श्री ताराचंद बसोर, उद्यानिकी विभाग)

> राष्ट्रीय युवा महोत्सव का दौरा, रोहतक, हरियाणा में 12 से 16 जनवरी, 2017 (श्री खन्नानाथ शर्मा, उद्यानिकी विभाग, श्री ललित पोखरेल शर्मा, भूविज्ञान विभाग, श्रीमती स्नेहा राय, विभाग. शिक्षा, सुश्री बिज्या तमांग, नेपाली विभाग)

> राष्ट्रीय एकता शिविर, दुर्ग, छत्तीसगढ़ का दौरा 9 से 16 फरवरी, 2017 (श्री शिव शंकर कुमार भगत, प्रबंधन विभाग, श्री यश रामवाट, संगीत विभाग, श्री कुंडि पेमा लाचुंगपा, विभाग शिक्षा, भूगोल विभाग, सुश्री श्रीमती हेमलता शर्मा, मनोविज्ञान विभाग, सुश्री विवेय छेत्री, दल ने पश्चिम बंगाल के साथ सर्वश्रेष्ठ समूह नृत्य पुरस्कार जीता.

> राष्ट्रीय एकता शिविर, बांकुरा, पश्चिम बंगाल की 7 वें से 13 फरवरी, 2017 (सुश्री निकिता छेत्री, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, श्री बिकी चौहान, कंप्यूटर एप्लीकेशन के विभाग, श्रीमती पिंटो दाम भुतिया, विभाग प्रबंधन, श्री. लोमश शर्मा, उद्यानिकी विभाग), सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के सुश्री निकिता चेट्री को राष्ट्रीय एकता शिविर, बंकुरा, विश्व बैंक के लिए सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक पुरस्कार के रूप में सम्मानित किया गया.

> एसआरएम विश्वविद्यालय में एसआरएम यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर 24 फरवरी 2017 को रक्तदान शिविर , 5 वें मील: - डॉ. सैल्विन पॉल, शांति एवं संघर्ष अध्ययन विभाग और प्रबंधन, डा. एएन शंकर, वाणिज्य विभाग और अन्य कर्मचारी वर्ग

एनएसएस सेल द्वारा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेन्स, सोशल जस्टिस एंड सशक्तीकरण मंत्रालय, नई दिल्ली जे साथ मिलकर 1 मार्च, 2017 को कौवेरी हॉल, 5 माईल में ड्रग्स के दुरुपयोग की रोकथाम पर जागरूकता कार्यक्रम.

शिक्षा विभाग ने लड़कियों के क्रिकेट मैच में दूसरा पुरस्कार जीता. प्रथम स्थान अर्थशास्त्र विभाग को मिला.

सिक्किम यूनिवर्सिटी एक्स्ट्रावेग्रान्ज़ा - "रमाइलो सु-खिम 2017"

सिक्किम विश्वविद्यालय ने सांस्कृतिक मामलों के लिए सूसा सचिव अनिरूद्ध राई की अगुआई में एक सप्ताह के लंबे सांस्कृतिक उत्सव "रमाइलो सु-खिम 2017" का आयोजन किया गया.बहु- प्रतीक्षित सांस्कृतिक उत्सव 10 अप्रैल को शुरू हुआ और 15 अप्रैल को सम्पन्न हुआ.यह उत्सव युगल गीत प्रतियोगिता और समूह नृत्य प्रतियोगिता के साथ शुरू हुआ जिसमें सभी विभागों के छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया. अगले दिन एकल प्रतियोगिता में यह स्पष्ट हो गया था कि विश्वविद्यालय में कई मधुर आवाजें हैं. एकल प्रतियोगिता के सात प्रतिभागियों को उत्सव के अंतिम दिन प्रदर्शन करने के लिए चुना गया. तीसरा दिन भी शानदार था, जिसकी मेजबानी श्री लच्छुपा और श्री टिकेंद्र दीप दहल ने की. सब से खास इंटर-कॉलेज नृत्य प्रतियोगिता थी, जिसमें पेलेटिन कॉलेज, पाक्योंग, सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज, बर्टुक कॉलेज, एसआरएम विश्वविद्यालय और हरकमया कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन जैसे कॉलेजों ने भाग लिया. और वास्तव में, हमें छात्रों की बेहतरीन प्रतिभा को देखने का मौका मिला. मुंबई आतंकवादी हमले के चित्रण के साथ सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज ने नृत्य प्रतियोगिता के लिए पुरस्कार जीता. सभी दर्शकों मंत्रमुग्ध और भावुक हो गए. नृत्य प्रतियोगिता में अभिनय और नाटक प्रतियोगिता का मंचन किया गया और हमने अभिनय में विपुलतात्मक कौशल देखा. चौथा दिन निश्चित रूप से फैशन प्रेमियों और संगीत प्रेमियों के लिए सबसे अधिक प्रतीक्षित था. यही वह दिन था जब मिस्टर सिक्किम विश्वविद्यालय और मिस सिक्किम विश्वविद्यालय को प्रस्तुत किया गया. सभी विभागों के छात्रों ने उत्साह दिखाया और सक्रिय रूप से फैशन शो में भाग लिया जहां उन्होंने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. शो समाप्त हुआ और मास कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के श्री टिकेंदर दीप दहल ने मिस्टर यूनिवर्सिटी और मिस लॉचाना मैनाली अंग्रेजी विभाग को मिस यूनिवर्सिटी का ताज पहनाया. दिन का उत्तरार्ध धमाकेदार था! यह बैंड की लड़ाई थी वाइब्स, एक ध्वनिक-आधारित बैंड, कैवलिया, एक लड़की का बैंड, द स्ट्रिंग्स सिम्फोनी और अपरिभाषित स्वरों ने उदार आवाज और संगीत के साथ हवा को भर दिया. सभी प्रतिभागियों ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया और उन्होंने निश्चित रूप से मंच गरिमा प्रदान की. आखिरी दिन प्रदर्शन करने के लिए सभी को अंतिम दौर मिला.

अगला दिन भी काफी रोमांचक था. एसयू पूरे देश के छात्रों और "क्रॉस-कल्चर डिस्प्ले" के माध्यम से प्रत्येक और हर किसी की संस्कृति को मनाने का बेहतर तरीका है. छात्रों ने गर्व से नृत्य, वेशभूषा और भोजन के रूप में अपनी संस्कृति प्रदर्शित की. हां, विभिन्न संस्कृतियों के विभिन्न विभागों से भोजन स्टाल लगाए गए थे. सबसे अधिक प्रतीक्षित और अनुमानित दिन आ गया था. सुबह में भारी बारिश ने छात्रों के उत्साह को कम नहीं किया और उनकी भावनाएं उतनी ही प्रबल थीं जितनी पहले दिन थीं. उत्साही भीड़ उत्साहित थी क्योंकि उनके प्यारे उत्सव का समापन आ गया था. "रमाइलो सू-खिम 2017" का भव्य समापन संजय राणा, पूर्वोत्तर गोत प्रतिभा में सेमीफाइनल के नृत्य प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ. समापन कार्यक्रम में एकल गीत, एकल नृत्य, युगल नृत्य, युगल गीत, समूह नृत्य, बैंड की लड़ाई और कई अन्य गतिविधियों का समापन हुआ. दिन आखिरकार डीजे नाईट के साथ समाप्त हुआ. छात्रों ने अपनी उच्चतम ऊर्जा और उत्साह प्रदर्शित किया. यह वास्तव में सभी के लिए एक सुखद क्षण था छात्रों ने एक शानदार 5-दिवसीय समारोह के आयोजन के लिए सूसा के अधिकारियों के प्रति अपना आभार प्रदर्शित किया, जिसमें उन्होंने अच्छी तरह से आनंद उठाया था.

साधना शर्मा, द्वितीय सेमेस्टर, मास कम्युनिकेशन

"रमाइलो सु-खिम 2017" - किमीली, द्वितीय सेमेस्टर, जनसंचार विभाग